



मिलकर पढ़िए

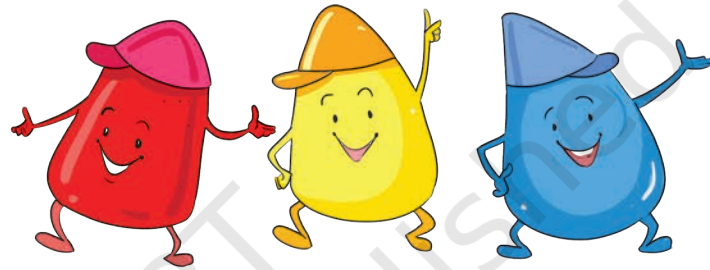


QRickit

0222CH08

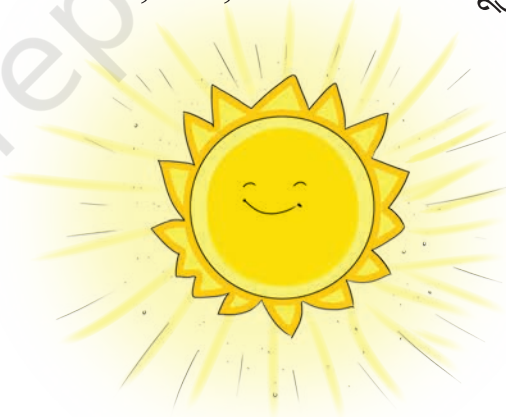
तीन दोस्त

बात पुरानी है।
तब बस तीन ही रंग थे।
लाल, पीला और नीला!

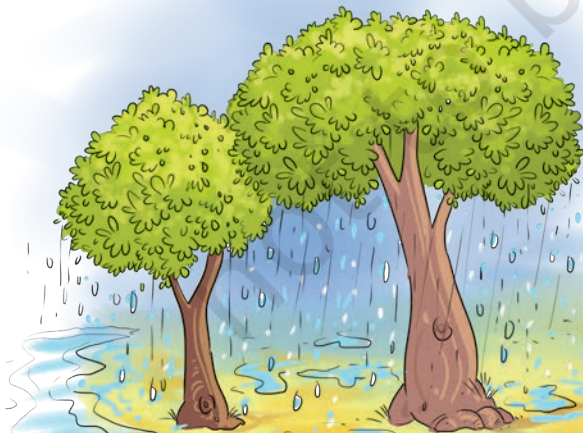


लाल रहता था हर लजीज़ वस्तु में,
जैसे टमाटर, सेब, चेरी और आलूबुखारे।

पीले ने बनाया था सूरज को चमकदार
जो मुस्कुराकर देता था रोशनी लगातार।



आसमान भी नीला था और समुंद्र भी।
पेड़ों से टपकती बारिश भी नीली ही थी।

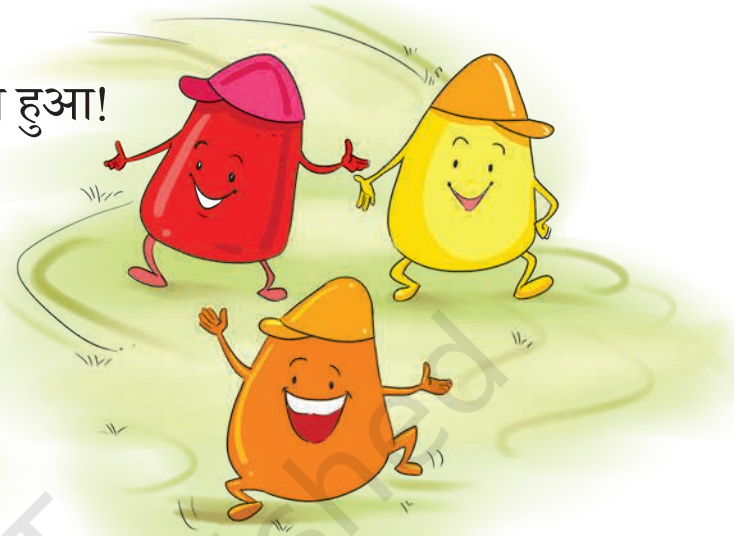


तीनों पक्के दोस्त थे।

एक दिन उन्होंने कहा, “हमें और दोस्त चाहिए। चलो नए दोस्त बनाएँ” और वे निकल पड़े दोस्तों की तलाश में।

और देखो क्या हुआ!

लाल और पीला साथ चले
तो एक नया दोस्त मिला — नारंगी।



पीले और नीले ने हाथ मिलाया
तो एक नया दोस्त मिला — हरा।

लाल और नीले के पास आते ही
एक नया दोस्त मिला — बैंगनी।



और इस तरह उन्होंने दुनिया को बना दिया दोस्ताना और रंगीना।

—इंदु हरिकुमार





बातचीत के लिए



1. क्या रंगों की तरह आप भी अपने मित्रों के साथ मिलजुल कर रहते हैं?
2. आप अपने रूठे मित्रों को कैसे मनाते हैं?
3. क्या आसमान हमेशा नीला दिखाई देता है? क्या सूरज हमेशा पीला होता है? क्या पत्ते हमेशा हरे होते हैं? अपने अनुभवों के आधार पर बताइए।
4. आप नए मित्र कैसे बनाते हैं?

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखिए –

1. कहानी में आए रंगों के नाम लिखिए।
2. वाक्य पूरा करें – तीनों रंग पक्के दोस्त थे, फिर भी उन्होंने नए दोस्त बनाए, क्योंकि
.....
.....
3. विद्यालय में नारंगी, हरी और बैंगनी रंग की वस्तुओं को खोजिए। उनके नाम भी लिखिए –

नारंगी वस्तुओं के नाम

.....
.....
.....
.....

हरी वस्तुओं के नाम

.....
.....
.....
.....

बैंगनी वस्तुओं के नाम

.....
.....
.....
.....





आइए, कुछ बनाएँ

1. मेज़ पर अखबार बिछा दीजिए।
2. अलग-अलग ग्लास/कप में तीन रंगों को पानी में घोलिए — लाल, पीला और नीला।
3. ड्रॉपर की सहायता से रंग की बूंदों को अखबार पर छिड़किए।
4. अलग-अलग रंगों की बूंदों को एक-दूसरे के ऊपर और आस-पास छिड़किए तथा नए रंग बनाइए। आप रंग की बूंदों से डिज़ाइन भी बना सकते हैं।
5. सभी रंगों को मिलाकर देखिए। कौन-सा रंग बना?



शब्दों का खेल

रंगों के नाम लिखिए—

‘आ’ की मात्रा वाले रंग

.....

.....

बिना ‘आ’ की मात्रा वाले रंग

.....

.....

शिक्षण-संकेत – आप फूड कलरिंग या स्याही का इस्तेमाल कर सकते हैं। गतिविधि के बाद बच्चों को सारा सामान सही जगह पर रखने के लिए कहिए और उनके साथ कक्षा को साफ़ कीजिए।



चित्रकारी और लेखन



अपनी पसंद के रंग के बारे में सोचिए। वह रंग आपको किन वस्तुओं की याद दिलाता है? उनके चित्र बनाइए। कुछ वाक्य भी लिखिए—



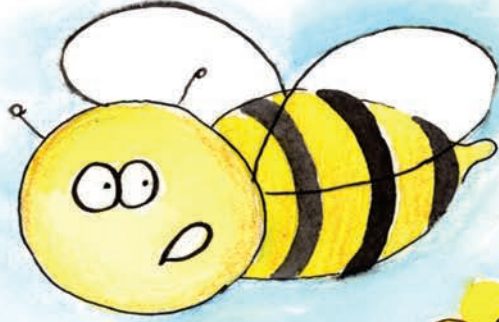


प्रकृति के रंग



शिक्षण-संकेत

1. चित्र में दिए गए शब्दों से अपनी कहानी बनाइए। कक्षा में सुनाइए।
2. अपने मित्रों के साथ मिलकर चित्र से जुड़े हुए कुछ वाक्य अपनी कॉपी में लिखिए।
3. बच्चों को अपनी भाषा में मन की बात कहने के लिए प्रोत्साहित कीजिए एवं उपयुक्त अवसर प्रदान कीजिए।



भँवरा

सूरजमुखी



केंचुआ



बीज

तरबूज

